हृदय और धड़कन

वर्ष-3, अंक-28, अप्रैल 20, 2012

CIMS®

Care Institute of Medical Sciences

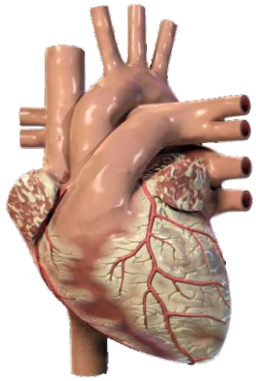

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट	
डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. जोयल शाह	+91-98253 19645
डॉ. रवि सिंघवी	+91-98251 43975
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
कार्डियक सर्जन	
डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. दीपेश शाह	+91-90990 27945
पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन	
डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502
डॉ. आशुतोष सिंघ	+91-82380 01976
वास्क्युलर और एन्डोवास्क्युलर सर्जन	
डॉ. सृजल शाह	+91-91377 88088
कार्डियक एनेस्थेटिस्ट	
डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454
पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट	
डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट	
डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट	
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666

अवरुद्ध नलियों का इलाज : एन्जियोप्लास्टी

हृदय की धमनियों के रोग में हृदय की धमनियां संकरी हो जाती हैं या उनके अंदर रुकावट आ जाती है। इसके कारण हृदय को पर्याप्त मात्र में रक्त मिलना बंद हो जाता है।

रक्त की मात्रा और उसकी मांग को समझने की यहां जरूरत है। हृदय को रक्त की आवश्यकता होती है, क्योंकि उसे बहुत अधिक काम करना पड़ता है। एन्जियोप्लास्टी या बाय पास सर्जरी से रुकी हुई धमनियों को खोलकर हम हृदय में अधिक मात्रा में रक्त पहुंचा सकते हैं।

पी.टी.सी.ए. (PTCA)

पी.टी.सी.ए. मतलब परक्युटेनियस ट्रान्सल्युमिनल कॉरोनरी एन्जियोप्लास्टी। इस कार्यपद्धति के द्वारा हृदय की धमनी को चौड़ी कर उसका अवरोध हटाया जा सकता है। पी.टी.सी.ए., बायपास ऑपरेशन की शल्यक्रिया बिना अवरोध हटाने का एक विकल्प है, और यह कलाई में एक छोटा सा छेद करके किया जा सकता है। इस समय रोगी को बेहोश करने की आवश्यकता नहीं होती है, रोगी पूर्णरूप से होश में होता है, इसके अलावा हॉस्पिटल में १ -२ दिन ही उसे रहना पड़ता है।

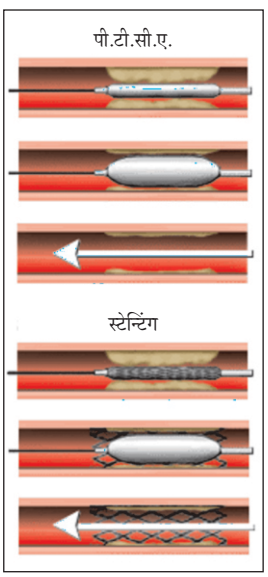

गुब्बारे के द्वारा एन्जियोप्लास्टी (बलून एन्जियोप्लास्टी)

केथेटर एक २ मि. मि. संकरी नली होती है जिसके एक सिरे पर एक छोटा सा गुब्बारा होता है और जिसको मोड़ा जा सकता है। धातु का एक स्प्रिंग जैसा साधन स्टेन्ट है, जिसको गुब्बारे पर रखा जाता है, धमनी को खुला रखने एवं उसे फिर से अवरुद्ध होने से रोकने के लिए स्टेन्ट को धमनी के अंदर केथेटर के द्वारा रखा जाता है।

पी.टी.सी.ए. करने के पहले रोगी को बेहोशी की हल्की दवा दी जाती है। कलाई के उस भाग को एक छोटे से इन्जेक्शन से सुन्न किया जाता है। २ मि.मि. चौड़ी संकरी स्ट्रॉ जैसी एक छोटी नली को कलाई की धमनी में से निकाला जाता है। इस नली में एक खास आकार का मार्गदर्शक केथेटर डाला जाता है और उस एक सिरे को हृदय की धमनी में सरकाया जाता है।

अब हृदय की धमनी के अवरोध में से एक पतले तार को आरपार निकाला जाता है, इस तार के ऊपर से रुकावट के स्तर तक एक फुलाया जा सकने वाले गुब्बारे को भेजा जाता है गुब्बारा जब अवरोध की जगह आता है तब उसको फुलाया

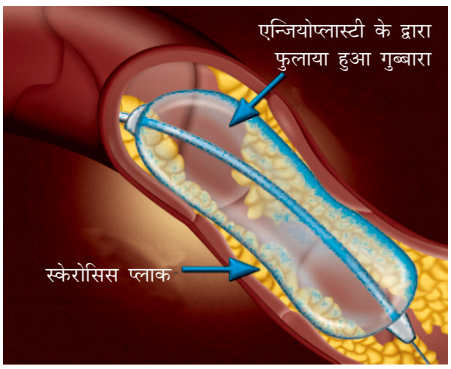

जाता है। यह गुब्बारा इस चरबी की तह पर दबाव डाल कर और धमनी को खींच कर अवरोध को खोलता है।

सामान्यतया गुब्बारे के द्वारा एन्जियोप्लास्टी करने से धमनी अपने नाप के प्रमाण में ७० से ८० प्रतिशत तक खुल जाती है। उसमें कुछ अवरोध तो बाकी रहता ही है, जिसके लिए सबसे अद्‌भुत साधनो में से एक यानि कि 'स्टेन्ट' का उपयोग किया जाता है।

स्टेन्ट

अब अधिकतर एन्जियोप्लास्टी में स्टेन्ट का उपयोग किया जाता है। यह बॉलपेन की स्प्रिंग के आकार का छोटी स्प्रिंग जैसा धातु का एक उपकरण है। स्टेन्ट रखने के पहले धमनी के अवरोध को गुब्बारे के द्वारा खोला जाता है। बाद में स्टेन्ट को एन्जियोप्लास्टी के गुब्बारे के ऊपर बंद की अवस्था में बैठाकर अवरोध की जगह धकेला जाता है। जब एन्जियोप्लास्टी के गुब्बारे को फुलाया जाता है तब स्टेन्ट को रक्तवाहिनी की दीवार के सामने खोलता है, इस स्थिति में स्टेन्ट बैठ जाता है और धमनी को खुला रखता है। अंत में गुब्बारे वाले केथेटर को शरीर के बाहर निकाल लिया जाता है।

स्टेन्ट के फायदे

स्टेन्ट के उपयोग से धमनी काफी अच्छी तरह से खुल जाती है और फिर से उसके बंद होने की संभावना कम हो जाती है। उदाहरण के तौर पर ९० प्रतिशत बंद एक धमनी की कल्पना करिए। गुब्बारे के द्वारा की गई एन्जियोप्लास्टी के बाद अवरोध २० से ३० प्रतिशत तक कम हो जाएगा, पर स्टेन्ट लगाने के बाद यह अवरोध शून्य प्रतिशत हो जाएगा। अवरोध बिल्कुल दूर हो जाएगा। इसके पश्चात बंद हुई हृदय की धमनी का सिर्फ गुब्बारे वाली पद्धति से इलाज किया जाता है तो दुबारा अवरोध पैदा होने की संभावना सिर्फ ३० प्रतिशत ही रहती है, परंतु यदि स्टेन्ट लगाया गया हो तो अवरोध फिर से पैदा होने और एन्जायना के लक्षण पैदा होने की संभावना १० प्रतिशत तक कम हो जाती है। इसलिए स्टेन्ट का प्रयोग करना एक आवश्यक कार्य पद्धति हो गई है।

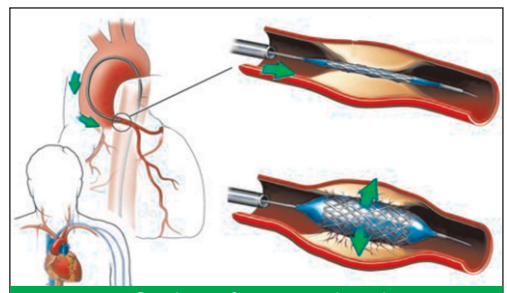
एन्जियोप्लास्टी- बलून, स्टेन्ट से अवरुद्ध नली चौड़ी होती है।

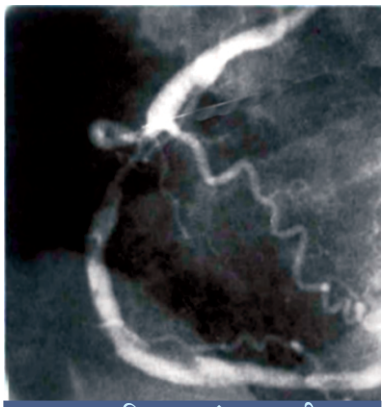
९० प्रतिशत बंद धमनी

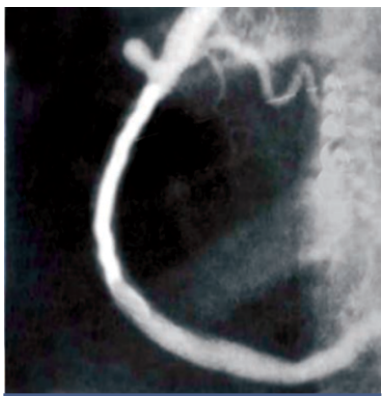
एन्जियोप्लास्टी के बाद खुली हुई पूरी धमनी

यदि स्टेन्ट लगाने के बाद छ महीने तक कोई अवरोध पैदा न हो, तो बंद हुई धमनी हमेशा के लिए खुल जाती है। स्टेन्ट वाली धमनी में छ महीने के अन्दर फिर से अवरोध पैदा होने की संभावना १० प्रतिशत ही होती है। इस प्रकार यदि छ महीने तक अवरोध पैदा न हो तो स्टेन्ट द्वारा अवरोध का हमेशा के लिए निवारण हो जाता है।

'डी.इ.एस.' ड्रग कोटेड स्टेन्ट्स

अब एक खास प्रकार की दवा के आवरण वाला स्टेन्ट भी बाजार में मिलता है, जो बैठाने के कुछ सप्ताह तक इवेरोलीमस, झोटोरोलीमस, रेपामाइसिन तथा पॉक्लिटेक्सल जैसी दवाएं छोड़ती रहती है। इससे सूजन व मांसपेशियों का आवश्यकता से

हृदय की रसप्रद बाते

हर दिन, हृदय 24 माइल ट्रक चले इतनी उर्जा पैदा करता है । आदमीके आजीवन तक हृदयमें से प्राप्त होने वाली कुल उर्जा चंद्र पर जा के वापस आ सके इतनी उर्जा के समान है ।

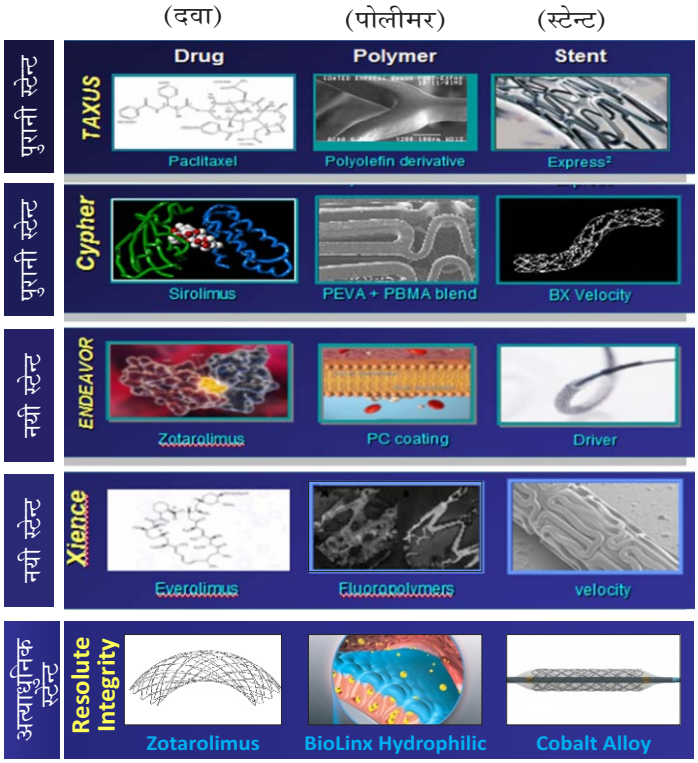

दवाई वाली जुनी और नई स्टेन्ट के प्रकार

अधिक विकास नहीं हो पाता और धमनियों में फिर से अवरोधपैदा होने की शक्यता २ से ५ प्रतिशत तक कम हो जाती है। अमरिका में अब ९० प्रतिशत से अधिक इस प्रकार के स्टेन्ट उपयोग में लिए जाते हैं।

जमे हुए रक्त को पिघलाने वाले नए पदार्थ

ये होता है 'प्लेटलेट टू-बी / थ्री-ए' प्रतिबंधक। दवाओं का यह एक ऐसा समूह है जो प्लेटलेट्स (रक्त को जमने में मदद करने वाले रक्त कोष) कि चिकनाहट कम करता है, और रक्त को जमने से रोकने में मदद करता है। इन दवाओं का उपयोग स्टेन्टिन्ग के समय किया जाता है, क्योंकि अगर स्टेन्ट के पास रक्त जम जाए तो सारी मेहनत और पैसा बेकार हो सकता है।

१९९९ में अमेरिका में मुझे रात में एक फोन आया, 'डॉक्टर जल्दी से अस्पताल आईये, मेरे पति को हार्ट अटेक आया है, शायद एन्जियोप्लास्टी करनी पड़े...'

'पर बहन आपके पति की दो साल पहले खूब अच्छी तरह व सफल एन्जियोग्राफी की थी, और सारी नलियां खुली थी इस संजोग में हार्ट अटैक की सम्भावना ही नहीं है, आपको कुछ गलतफहमी हो रही होगी।' मुझे याद आ रहा था।

'हां पर पति तो नए हो सकते हैं? समय नष्ट मत करें और जल्दी से हॉस्पिटल आ जाईए।'

'प्लेटलेट टू-बी / थ्री-ए' प्रतिबंधक का उदाहरण है एब्सिक्सिमेब (रिओप्रो), एपिफिबाटाइड (इन्टिग्रिलिन) और टायरोफीबान। ये दवाएं स्टेन्ट के पास में रक्त को जमने से रोकता है। आजकल इसका उपयोग अस्थिर एन्जायना या हृदय रोग के हमले के बाद अथवा एन्जियोप्लास्टी के समय भी किया जाता है।

एन्जियोप्लास्टी के अन्य साधन

एन्जियोप्लास्टी के समय अनेक साधन उपयोग में लिए जाते हैं। एक है परिभ्रमण करती हुइ ड्रिल, यह हृदय की धमनी की चरबी साफ करने में सहायक होती है। डायरेक्शनल कोरोनरी एथिरेक्टोमि उपकरण एक घूमता हुआ कटर उपयोग में लेता है, यह धमनी के अवरोध को छील देता है। कभी-कभी खास 'कटिंग' करने वाले खास गुब्बारे धमनी को खोलने के काम में आते हैं। धमनी के अवरोध को जलाने के लिए लेसर किरणों का भी उपयोग किया गया है पर उसमे कोइ खास सफलता नहीं मिली।

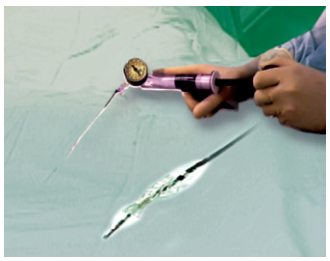

एन्जियोप्लास्टी में अत्याधुनिक क्या है?

कुछ किस्सों में हृदय की धमनी को पूरा खोलने के बाद भी उसमें से रक्त प्रवाहित नहीं होता, क्योंकि चरबी के छोटे-छोटे कण छोटी-छोटी रक्तवाहीनियों के रास्ते में अवरोध पैदा करते हैं। डिस्टल प्रोटेक्शन डिवाइस के माध्यम से चरबी के ऐसे छोटे-छोटे कणों को दूर कर ऐसा होने से रोक सकतें हैं।

केथ लेब के बाहर

एन्जियोप्लास्टी में ३० से ६० मिनट का समय लगता है, शायद ही इससे ज्यादा समय लगता है यह एक बीमार हृदय को बिना काट छांट के नवपल्लवित करने वाली एक चमत्कारिक कार्यप्रणाली है। ९० से ९५ प्रतिशत रोगियों को कभी भी शल्यक्रिया की आवश्यकता नहीं रहती।

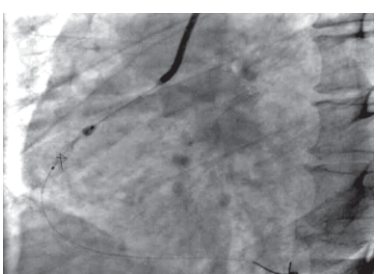

एन्जियोप्लास्टी में काम आने वाले उपकरण

इन्ट्राएओर्टिक बेलून पंप

इन्ट्राएओर्टिक बेलून पंप (IABP) अत्यन्त गम्भीर रूप से बीमार लोगों के हृदय को पंप करने में मदद करता है। यह उपकरण कुछ समय के लिए ही उपयोग में लिया जाता है, परन्तु यही रोगी के जीवन और मृत्यु के बीच में एक संरक्षण दीवार बनकर रोगी की जान बचाता है।

उपयोग

आइ.ए.बी.पी., हृदय की बड़े ऑपरेशन के बाद हुए कमजोर हृदय के इलाज कक्ष में सहायक होता है। कई बार बहुत गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों के हृदय को मदद करने में आई.ए.बी.पी. उपयोग में ली जाती है।

रोगी जब ऑपरेशन अथवा एन्जियोप्लास्टी के होने का इंतजार करता है, और उसके हृदय की धमनियां बहुत अधिक मात्रा में अवरुद्ध हों तब आइ.ए.बी.पी. से रोगी के रक्त का प्रवहन सुधारा जाता है। कार्डियोजेनिक - शॉक इतनी गंभीर अवस्था होती है जिसमे हृदय कमजोर होने के कारण बहुत कम पम्पिंग कर पाता है, और रोगी के शरीर को पर्याप्त मात्रा में रक्त नहीं मिलता है, इससे बी.पी. कम हो जाता है, उसके हाथ पैर ठंडे पड़ जाते हैं और अगर तात्कालिक इलाज ना किया जाए तो रोगी की मृत्यु भी हो सकती है, ऐसे समय में जब तक रोगी की हालत में सुधार न हो या कोरोनरी एन्जियोप्लास्टी या बाय - पास सर्जरी करके पम्पिंग सुधारी ना जाए तब तक आइ.ए.बी.पी. मददगार साबित हो सकती है।

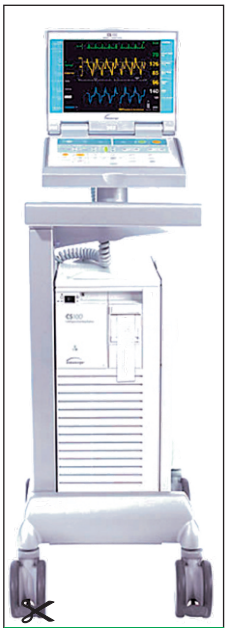
आइ.ए.बी.पी.

आइ.ए.बी.पी. किस प्रकार कार्य करता है

आइ.ए.बी.पी. एक लंबी नली (केथेटर) होती है। इसके ऊपर एक ८ इंच लम्बाई वाला प्लास्टिक का गुब्बारा होता है जिसे फुलाया जा सकता है।

केथेटर को रोगी की कलाई की धमनी में घुसाया जाता है। नली जिस भाग में डाली जाती है उसे सुन्न करने के लिए इन्जेक्शन दिया जाता है, परन्तु रोगी होश में रहता है। डॉक्टर धमनी के द्वारा नली को हिला कर एओर्टा (महाधमनी) में बैठाते हैं, केथेटर के दूसरे सिरे पर एक पंप जोड़ा जाता है। यह गुब्बारा जल्दी - जल्दी फुलाया जाता है, और रोगी के स्वयं के हृदय की धड़कन से हवा निकलती है। यह गुब्बारा हृदय की हर धड़कन की समाप्ति पर फूलता है। यह फूला हुआ गुब्बारा एओर्टा में ब्लडप्रेशर बढ़ाता है। हृदय की धमनियां और शरीर में रक्त के प्रवाह को बढ़ाता है और हृदय के श्रम को भी कम करता है।

परिणाम

अत्यंत गम्भीर रूप से बीमार व्यक्तियों के लिए आइ.ए.बी.पी. एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण व उपयोगी उपकरण है।

सौजन्य : - 'हृदय की बात दिल से'
लेखक - डॉ. केयूर परीख

परखे अपने ज्ञान को

(1) PTCA का पुरा नाम क्या है ?

ए. पेकड ट्रेकीया कोरोनरी आर्टरी
बी. परक्युटेनीअस ट्रान्सल्युमिनल कोरोनरी एन्जियोप्लास्टी
सी. पेनकेट्रीक ट्रेक्ट कार्डियाक एन्जियोग्राफी
डी. पल्मोनरी ट्रेक्ट करेकशन अेड्वर्सीटी

(2) स्टेन्ट क्या है ?

ए. आर्टरी में रहे ब्लॉकेज जानने के लिये उपयोग किया जाने वाला बलुन
बी. हृदय के अंदर रखने वाली लकडी
सी. स्प्रिंग जैसा साधन कि जिसको बलुन के द्वारा रखा जाता है
डी. खास सुई जिसके द्वारा हृदय में रहे ब्लोक देखे जा सकते है

(3) CAD का पुरा नाम क्या है ?

ए. कोरोनरी आर्टरी डिसीज
बी. कार्डियाक एरेधिमीया डिसीज
सी. कोरोनरी एन्जियोग्राफी डिवाइस
डी. केथेटर फोर आर्ट्रीयल ब्लॉकेज

(4) सामान्यत एन्जियोप्लास्टीमें कितना समय लगता है ?

ए. 1 घंटा
बी. 15 - 30 मीनीट
सी. 60 - 75 मीनीट
डी. 30 - 60 मीनीट

सही जवाब पर (✓) का निशान करके आपके नाम और पते के साथ सीम्स अस्पताल (कोम्युनिकेशन डिपार्टमेन्ट), शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060. प्रथम 5 विजेताओ को लकी ड्रो के द्वारा पसंद करके योग्य पुरस्कार दिया जायेगा ।

एन्जियोग्राफी सिर्फ 7 सेकन्ड में

विश्व के सबसे तेज एन्जियोग्राफी मशीन
(फिलिप्स एक्सपर टेक्नोलॉजी)
सीम्स में उपलब्ध है । इस मशीन में सिर्फ
7 सेकन्ड में एन्जियोग्राफी के फोटो निकलते है ।

एन्जियोप्लॉस्टी के अच्छे परिणाम के लिये स्टेन्ट बुस्ट टेक्नोलोजी

हर महिने 600 से भी ज्यादा कार्डियाक प्रोसिजर, गुजरात में प्राइवेट क्षेत्र में सबसे ज्यादा

CIMS® Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल: शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

CIMS® Care Institute of Medical Sciences

सीम्स हेल्थकेर

क्या आपने कभी हेल्थ चेक-अप करवाया है?

नही...? तो आज ही सीम्स अस्पताल में अपना हेल्थ चेक-अप करवाने के लिये संपर्क करे

क्योकि, आपके स्वास्थ्य से ज्यादा कीमती कुछ नही... आपके और आपके परिवार के लिये

अगर आपको निम्निलिखित में से कोई भी एक लक्षण है तो आपको हेल्थ चेक-अप करवाना जरुरी है ।

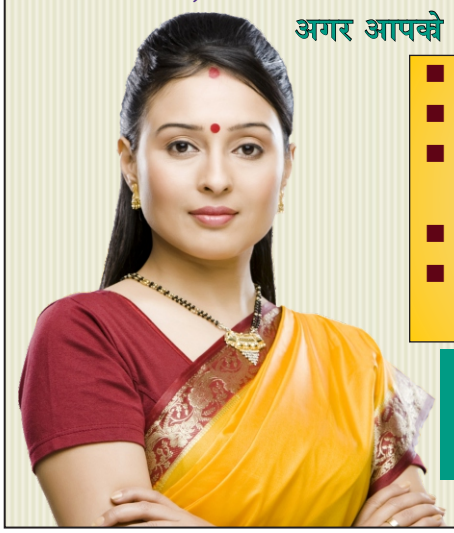

- 40 वर्ष से ज्यादा उम्र
- ओबेसीटी / मोटापा
- तंबाकु का सेवन / धुम्रपान और शराब का सेवन
- तनावपूर्ण दिनचर्या
- डायाबिटीस, हाइ ब्लड प्रेशर और हृदय संबंधित वंशानुगत बीमारी
- थोडा श्रम करने से थकान महसूस करना
- वजन कम होना / बढना
- बहुत लंबे समय से अपच/कब्जियत
- शरीर के किसी भी भाग में गठन होना (स्तन, पेट, हाथ-पैर आदि)
- खांसी में, पेशाब में या टोईलेट में खुन गिरना

आपकी जरुरत के हिसाब से सीम्स अस्पताल में विशेष हेल्थकेर प्लान
आपके लिये योग्य हेल्थकेर पेकेज पसंद करेने मे
हमारे प्रतिनिधि आपकी मदद के लिये हंमेशा तत्पर है।

अधिक जानकारी के लिये संपर्क करे : +91-79-3010 1088

सीम्स क्लिनिक मणीनगर, अहमदाबाद

पेथोलॉजी, इसीजी, इकोकार्डियोग्राफी, टीएमटी एवं अन्य कई सुविधाएं

गंभीर मरीजो के लिये मणीनगर से सीम्स अस्पताल लाने के लिये एम्ब्युलन्स एवं वान की सुविधा उपलब्ध है

मणीनगर सीम्स क्लिनिक में उपलब्ध ओपीडी सेवाएं

- कार्डियोलॉजी (हृदय के रोग)
- कार्डियोथोरासीक और वास्क्युलर सर्जरी
- क्रीटीकल केर
- इ.एन.टी.
- गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी
- जनरल सर्जरी / जी. आई. सर्जरी
- गायनेकोलॉजी और ओब्स्टेट्रीक्स
- इन्फेक्सियस डिसीज
- नीओनेटोलॉजी (नवजात शिशु) और पीडियाट्रीक्स (बच्चो की बीमारीयां)
- नेफ्रोलॉजी (कीडनी के रोग)/डायालीसीस
- न्युरोलोजी (मस्तिष्क संबंधित बीमारीयां)
- न्युरोसर्जरी
- ओबेसीटी / बेरीयाट्रीक सर्जरी
- ओन्कोलॉजी (केन्सर)
- ओन्कोसर्जरी
- आर्थोपेडिक्स / जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट
- पेइन मेनेजमेन्ट
- पीडियाट्रीक कार्डियोलॉजी (बच्चो के हृदय की बीमारीयां)
- पीडियाट्रीक सर्जरी
- प्लास्टीक सर्जरी
- पल्मोनोलॉजी (फेफडे संबंधित बीमारीयां)
- स्पाइन सर्जरी (रीढ संबंधित बीमारीयां)
- ट्रोमा सारवार
- युरोलॉजी और युरोसर्जरी (पथरी, प्रोस्टेट और किडनी संबंधित बीमारीयां)
- पेथोलॉजी
- रेडियोलॉजी

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care

सीम्स क्लिनिक

पहली मंजिल, शांताप्रभा हाइट्स, इन्डस इन्ड बेंक के उपर, वल्लभ वाडी के सामने, जवाहर चोक नजदीक, भैरवनाथ रोड, मणीनगर, अहमदाबाद-380008.

अपॉइन्टमेन्ट के लिये संपर्क करे (सुबह 10 से शाम 5 बजे तक) : +91-79-2544 0381-83 (3 नंबर्स)

फेक्स : +91-79-2544 0384

सीम्स पीडियाट्रीक कार्डियोलॉजी (बाल हृदयरोग विभाग)

बाल हृदयरोग की जांच की सेवाएं

- बाल हृदयरोग का निदान और ईलाज
- नवजात शिशु और बालक के लिये आइसीयु (हाइ फ्रिकवन्सी वेन्टीलेटर के साथ)
- बच्चो की इकोकार्डियोग्राफी की जांच के लिये उच्चत्तम कक्षा के मशीन (Live 3D Echo)
- बच्चो में ट्रान्स इसोफेजिअल इकोकार्डियाग्राफी (TEE) की सुविधा
- गर्भस्थ शिशुके हृदय संबंधीत जांच और उपचार (फीटल इको)
- बच्चोमें हाइ ब्लड प्रेशर/धडकन की अनियमितता/ हार्ट फेल्योर का ईलाज

बाल हृदयरोग इन्टरवेन्शनल प्रोग्राम

- जन्मजात बिमारी के लिए ऑपरेशन के बिना (एन्जियोप्लास्टी और Device Closure) ईलाजकी सुविधाए
- बच्चो के लिए केथलेब और आइसीयु की सुविधाएं
- बच्चो की इलेक्ट्रोफीजियोलॉजी जांच, रेडीयो फ्रिक्वन्सी एब्लेशन और पेसमेकर की सुविधा

बाल हृदयरोग सर्जरी विभाग

- बच्चे और नवजात शिशु की हृदय की सभी सर्जरी के लिए विशेषज्ञ टीम
- ऑपरेशन के बाद उच्चत्तम स्तर का आइसीयु ईलाज
- अत्याधुनिक जीवनरक्षक प्रणाली से उपचार की व्यवस्था

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स एन्डोवास्क्युलर सर्विसीस

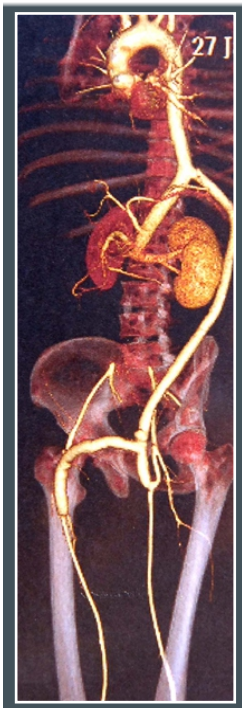

सीम्स अस्पताल के एन्डोवास्क्युलर डीवीजन द्वारा कोम्प्रीहेन्सीव एन्डोवास्क्युलर केर प्रोग्राम दौरान निम्नलिखित सभी सुविधाये दी जाती है ।

स्क्रीनींग प्रोग्राम :

(1) केरोटीड आर्टरी डॉप्लर स्केन
(2) एओर्टीक अेन्युरीजम स्क्रीनींग
(3) पेरीफेरल आर्टरीअल डीसीज स्क्रीनींग

एन्डोवास्क्युलर मेडीसीन :

नॉन सर्जीकल उपचार - पैर की नलीओ के ब्लॉक और दर्द के लिये

एन्डोवास्क्युलर स्टेन्टींग :

एन्जियोप्लास्टी और स्टेन्ट से कई बडे रोगो का ईलाज हो सकता है ।

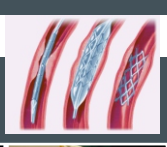

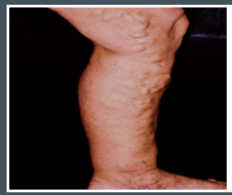

एन्डोवास्क्युलर सर्जरी :

(1) वेरीकोज वेइन्स और वीनस अल्सर
(2) पेरीफेरल वास्क्युलर एक्लुजीव डीसीज
  - पैर का अल्सर, दर्द या गेंग्रीन
(3) केरोटीड एन्डआर्टरेक्टोमी
  - स्ट्रोक एवं पेरालीसीस को बंध करना
(4) एन्युरीजम सर्जरी (खुन की नली चौडी होना)
  - एओर्टीक एन्युरीजम
  - पेरीफेरल एन्युरीजम
(5) एन्डोवास्क्युलर एन्युरीजम रीपेर (ऑपरेशन की बिना एन्युरीजम का उपचार)
(6) को-आर्केटशन ऑफ एओर्टा रीपेर
(7) थोरेसीक आउटलेट सीन्ड्रोम (हाथ की नस की सर्जरी)
(8) मेसेन्रीक एन्ड रीनल बायपास
(9) ए-वी फीस्च्युला सर्जरी (डायालीसीस के मरीजो के लिये)
(10) डायाबिटीक फुट केर

वास्क्युलर और एन्डोवास्क्युलर सर्जन : डॉ. सृजल शाह (मो) +91-91377 88088

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 27th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2010-2012 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2012

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।